प्रश्न पत्र – तृतीय / QUESTION PAPER – III

अनुक्रमांक / Roll No. (अंकों में / In figures) :

(शब्दों में / In Words) ....

विषय / Subject

Hindi

कोड / Code : (10)

3100641

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या /
Number of Pages in Booklet : 16

Hindi

10 (A) 3

विषय कोड बुकलेट सीरीज

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या /
Number of Questions in Booklet : 75

समय / Time : $2\frac{1}{2}$ घंटे / Hours

पूर्णांक / Maximum Marks : 150

INSTRUCTIONS

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as 1, 2, 3, 4. You have to darken the correct answer.
6. There will be no negative marking for wrong answer.
7. The candidate should ensure that Roll Number, Subject Code and Series Code on the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same after opening the envelopes. In case they are different, a candidate must obtain another Question Paper of the same series. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. The candidate will be allowed to carry the carbon print-out of OMR Response Sheet with them on conclusion of the examination.
10. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorised material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under Section 3 of the R.P.E. (Prevention of Unfairmeans) Act, 1992. Commission may also debar him/her permanently from all future examinations of the Commission.

निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी सही उत्तर वाले गोलें को काला करें ।
6. गलत उत्तर के लिए ऋणात्मक अंकन नहीं किया जाएगा ।
7. प्रश्न–पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के लिफाफे की सील खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न–पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक पर समान रूप से अनुक्रमांक, विषय कोड एवं प्रश्न पुस्तिका की सीरीज अंकित है । इसमें कोई भिन्नता हो तो वीक्षक से प्रश्न–पत्र की ही सीरीज वाला दूसरा प्रश्न–पत्र का लिफाफा प्राप्त कर लें । ऐसा न करने पर जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी ।
8. मोबाईल फोन अथवा इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित हैं। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
9. अभ्यर्थी अपने साथ उत्तर पत्रक की संलग्न कार्बन प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई जायेगी और आर. पी. ई. (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 1992 के नियम 3 के तहत कार्यवाही की जायेगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

10 10 10 10 10 10 10 10 10

10 10 10 10 10 10 10 10 10

1 मुनि जिनविजय के अनुसार जैन रास काव्य परंपरा का प्रथम ग्रंथ है –

(1) चंदनबाला रास

(2) भरतेश्वर बाहुबली रास

(3) नेमिनाथ रास

(4) रेवंतगिरी रास

2 (क) 'सा परानुरक्तिरीश्वरे' यह कथन भक्ति की परिभाषा है।

(ख) यह परिभाषा सगुण भक्ति का स्वरूप घोषित करती है।

इन कथनों से संबद्ध सही विकल्प का चयन कीजिए –

(1) (क), (ख) दोनों कथन असंबद्ध है।

(2) (क), (ख) का आधार है।

(3) कथन (क) गलत और कथन (ख) सही है।

(4) कथन (क) सही और कथन (ख) गलत है।

3 'पद्मावत' की प्रथम पंक्ति में जायसी ने 'ईश्वर' के लिए कौन–सा शब्द प्रयुक्त किया है –

(1) बसीढ (2) खुदा

(3) अल्लाह (4) करतार

4 ''मांगि कै खैबो मसीत को सोइबो'' यह पंक्ति तुलसीदास की किस रचना में है –

(1) गीतावली (2) विनय पत्रिका

(3) कवितावली (4) रामचरितमानस

5 आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार केशवदास ने अलंकारो के लक्षणों हेतु किस आचार्य के ग्रंथ से बहुत–सी बाते ली थीं –

(1) मम्मट (2) वामन

(3) दण्डी (4) विश्वनाथ

6 भारतेंदु हरिश्चन्द्र के 'नाटक अथवा दृश्य–काव्य' शीर्षक निबंध में वर्णित नाटक के उद्देश्यों में किनका उल्लेख है –

(1) कौतुक एवं अभिनय (2) वीर एवं श्रंगार

(3) समाज संस्कार, देश वत्सलता (4) देशप्रेम एवं हास्य

7 मुकुटधर पाण्डेय का 'हिंदी में छायावाद' निबंध किस पत्रिका में प्रकाशित हुआ था –

(1) सरस्वती (2) इंदु

(3) श्री शारदा (4) प्रभा

8 'हमें भाषा नहीं, राष्ट्रभाषा की आवश्यकता है, पुस्तकों की नहीं, मनुष्यों की भाषा; जिसमें हम हँसते–रोते, खेलते–कूदते, लड़ते, गले मिलते, साँस लेते और रहते हैं, जो हमारे देश की मानसिक दशा का मुख दिखलाने के लिए आदर्श हो सके।' यह कथन किसका है?

(1) सुमित्रानदंन पंत

(2) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(3) रामधारी सिंह दिनकर

(4) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

9 ''धूप चमकती है चाँदी की साड़ी पहने
मैके में आई बेटी की तरह मगन है''

केदारनाथ अग्रवाल के इस कवितांश में सौन्दर्य बोध का कारक यह नहीं है –

(1) अलंकार प्रयोग

(2) प्रकृति का सूक्ष्म आत्मीय निरीक्षण

(3) भारतीय पारिवारिक संबंध

(4) प्रकृति का आश्रय रूप में वर्णन

10 गजानन माधव 'मुक्तिबोध' ने कला के तीन क्षणों में शामिल नहीं किया है –

(1) अनुभव का फैंटेसी में रूपांतरण

(2) फैंटेसी के शब्दबद्ध होने की प्रक्रिया

(3) जीवन का उत्कट तीव्र अनुभव क्षण

(4) रचना पाठ का क्षण

10 10 10 10 10 10 10 10 10 10

11 प्रेमचंद के 'गोदान' में किस विषय का निरूपण नहीं किया है –

(1) स्त्री स्वातन्त्र्य

(2) जमींदारी व्यवस्था का खोखलापन

(3) अर्न्तजातिय संबंधों का समर्थन

(4) गांधीवाद का ऐकांतिक समर्थन

12 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के संबंध में यह कथन उपयुक्त नहीं है –

(1) इसकी कथा सामग्री में इतिहास और कल्पना का मणिकांचन संयोग है।

(2) इस रचना की पृष्ठभूमि में भारतीय पुनर्जागरण काल में अपनी सांस्कृतिक अस्मिता की तलाश है।

(3) 'निउनिया' का चरित्र नारी स्वातन्त्र्य का उद्घोष है।

(4) 'बाणभट्ट (बंड)' का चरित्र स्वैराचारी है।

13 'राम की शक्तिपूजा' के संबंध में यह कथन उपयुक्त नहीं है –

(1) यह शक्ति काव्य है।

(2) यह जिजीविषा की कविता है।

(3) यह राष्ट्रीय चेतना की कविता है।

(4) यह आत्मदैन्य की कविता है।

14 (क) 'कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ संबंधो के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक सामान्य भावभूमि पर ले जाती है।'

(ख) इसके लिए हृदय की मुक्तावस्था ज़रूरी है।

इन कथनों से संबद्ध सही विकल्प का चयन कीजिए –

(1) (ख) के बिना (क) संभव नहीं है।

(2) (क), (ख) से निरपेक्ष है।

(3) (क) सही है, (ख) गलत है।

(4) (ख) सही है, (क) गलत है।

15 किस समूह के सभी निबंध संग्रह कुबेरनाथ राय कृत हैं?

(1) छंद छंद पर कुंकुम, प्रिया नीलकण्ठी, पृथिवीपुत्र

(2) आलोक पर्व, कल्पलता, मन पवन की नौका

(3) रस आखेटक, कामधेनु, उत्तर कुरू

(4) छितवन की छाँह, आँगन का पंछी और बनजारा मन, निषाद–बाँसुरी

16 इनमें से कौन-सा सूत्र वामन कृत नहीं है –

(1) सौन्दर्यम् अलंकारः

(2) काव्यं ग्राह्यमलंकारात्

(3) काव्यशोभायाः कर्तारो धर्माः गुणाः

(4) काव्य शोभाकरान धर्मान् अलंकारान् प्रचक्षते

17 कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है ?

(1) भट्टनायक–हृदय दर्पण

(2) उद्भट–काव्यालंकार सूत्रवृत्ति

(3) रूद्रट–काव्यालंकार

(4) रूय्यक–अलंकार सर्वस्व

18 भरत ने नाट्यशास्त्र में इस अलंकार का उल्लेख नहीं किया है –

(1) उपमा (2) दीपक

(3) रूपक (4) श्लेष

19 अभिनवगुप्त द्वारा की गई 'सहृदय' की परिभाषा में इसकी अपेक्षा नहीं की गई है –

(1) विशद चित्त

(2) सतत काव्यानुशीलन

(3) व्यवहार ज्ञान

(4) सहृदय संवाद

20 ''अंगीकरोति यः काव्यं शब्दार्थवनलङ्कृती।
कथं न मन्यतेऽसौऽनुष्णमनलं कृती॥''

यह उक्ति किस ग्रंथ में है –

(1) कुवलयानंद (2) चन्द्रालोक

(3) काव्यालंकार (4) साहित्य दर्पण

10 10 10 10 10 10 10 10 10 10

21 डिफेमिलियराइजेशन (Defamiliarisation) की प्रक्रिया का संबंध किससे है –

(1) अतियथार्थवाद (2) मार्क्सवाद

(3) रूसी रूपवाद (4) विखंडन

22 (क) अनुभव की प्रमाणिकता दलित और स्त्री लेखन की मूल शर्त है जो इन्हीं वर्गों के लेखकों में अधिक मिलती है।

(ख) क्योंकि आग को चिमटे की बजाय हाथ से छूकर महसूस करना अलग बात नहीं होती।

इन कथनों से संबद्ध सही विकल्प का चयन कीजिए।

(1) (क) सही है, (ख) गलत है। (2) (क) गलत है, (ख) सही है।

(3) दोनों सही है। (4) दोनों गलत है।

23 काव्य–भाषा संबंधी कौन–सी मान्यता वर्डसवर्थ की नहीं है –

(1) काव्य में बोलचाल की भाषा का प्रयोग होना चाहिए

(2) गद्य और काव्य की भाषा में कोई तात्विक भेद नहीं है।

(3) कविता में आडंवरपूर्ण और अलंकार बोझिल भाषा नहीं होनी चाहिए।

(4) कविता में छंद का अत्यधिक महत्त्व है।

24 'रस–निष्पत्ति' के बारे में कौन–सा कथन सही नहीं है –

(1) शंकुक ने चित्र–तुरंग न्याय से अनुमितिवाद को तार्किक आधार दिया।

(2) अभिनवगुप्त ने रस निष्पत्ति में आनंदवर्धन के ध्वनि सिद्धांत को प्रतिष्ठित किया।

(3) भट्ट लोल्लट रस को सहृदय में प्रतिष्ठित मानते है।

(4) भट्टनायक ने सत्, रज और तम गुणों के संदर्भ में भी रस निष्पत्ति को प्रस्तुत किया।

25 'कामिहि नारि पियारि जिमि लोभिहि प्रिय जिमि दाम
तिमि रघुनाथ निरंतर, प्रिय लागहु मोहि राम।'

उपर्युक्त पंक्ति में तुलसी ने किस भाव की उत्कट व्यंजना दी है –

(1) राग (2) काम

(3) लोभ (4) ललक

26 'अज्ञेय' की काव्य-भाषा की विशेषता नहीं है –

(1) तद्भव की बढ़ती प्रवृत्ति (2) ओजमयी पदावली

(3) नए उपमानों की खोज (4) मित कथन

27 (क) ''भूमा या सुख और उसकी महत्ता का जिसको आभास मात्र हो जाता है। उसको ये नश्वर चमकीले प्रदर्शन नहीं अभिभूत कर सकते।''

(ख) यह कथन भारतीय तत्त्व चिंतन से प्रेरित और पुष्ट है।

इन कथनों से संबद्ध सही विकल्प का चयन कीजिए –

(1) ख क का सही आधार है।

(2) ख क का सही आधार नहीं है।

(3) ख क का आधार नहीं है, किंतु उससे संबंधित है

(4) ख और क पूर्णतः असंबद्ध है।

28 निम्न दार्शनिक सिद्धांतों के साथ उनके प्रवर्तकों का सुमेलित क्रम है –

(क) विशिष्टाद्वैतवाद	(अ) वल्लभाचार्य
(ख) शुद्धाद्वैतवाद	(आ) रामानुजाचार्य
(ग) द्वैतवाद	(इ) मध्वाचार्य
(घ) द्वैताद्वैतवाद	(ई) निम्बार्काचार्य

(1) क – अ, ख – आ, ग – इ, घ – ई

(2) क – अ, ख – ई, ग – इ, घ – आ

(3) क – ई, ख – अ, ग – आ, घ – इ

(4) क – आ, ख – अ, ग – इ, घ – ई

29 'हिय आँखिर नेह की पीर तकी' पंक्ति किस कवि के काव्य वैशिष्ट्य से संबंधित है–

(1) पद्माकर (2) धनानंद

(3) मतिराम (4) आलम

30 'रीतिकाल' के कवियों में श्लेष वर्णन और ऋतु वर्णन के लिए प्रसिद्ध है –

(1) केशव (2) पद्माकर

(3) मतिराम (4) सेनापति

10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10

10 10 10 10 10 10 10 10 10 10

31 निम्न में से काव्य हेतु नहीं है –

(1) प्रेरणा (2) अभ्यास

(3) प्रतिमा (4) व्युत्पत्ति

32 निम्न काव्य लक्षणों को उनके आचार्यों के नामों के साथ सुमेलित कीजिए –

(क) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्	(अ) आनंदवर्धन
(ख) रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्द काव्यम्	(आ) मम्मट
(ग) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावलंकृति पुन क्वापि	(इ) भामह
(घ) शब्दार्थो सहितौ काव्यम्	(ई) विश्वनाथ
	(उ) पंडितराज जगन्नाथ

(1) क – ई, ख – उ, ग – आ, घ – ई

(2) क – इ, ख – आ, ग – उ, घ – अ

(3) क – ई, ख – इ, ग – आ, घ – अ

(4) क – उ, ख – ई, ग – इ, घ – आ

33 स्त्री विमर्श के साथ मेल नहीं खाता है –

(1) पुरूष इतिहासकारों ने महिला रचनाकारों के साथ बहुत अन्याय किया है, यह अन्याय उदासीनता के चलते नहीं, विमुख रह कर दिया गया है।

(2) पितृसत्तात्मक भाषिक संरचना में 'स्त्रीत्व' ही बह सब कुछ है, जिसे दबाया गया है।

(3) पितृसत्तात्मक व्यवस्था के मूल्य पुरूषों में सक्रिय रहते हैं।, स्त्रियाँ तो सदैव उनका विरोध करती है।

(4) स्त्रीत्व को उभारना, पितृसत्तात्मक भाषिक संरचना को बदलना और पठित पाठों का पुनपठि का आविष्कार ही स्त्री विमर्श का प्रमुख लक्षण है।

34 भरतमुनि के 'रससूत्र' के किस व्याख्याकार ने 'भावकत्व' और 'भोजकत्व' की अवधारणा को निरस्त कर व्यंजना की अवधारणा स्थापित की –

(1) अभिनव गुप्त (2) शंकुक

(3) भट्टनायक (4) आनंदवर्धन

35 'मसनवी' में सामान्यतः नहीं होता –

(1) छंद वैविध्य (2) ईश्वर स्तुति

(3) आत्म परिचय (4) गुरू वंदना

36 'गुरू ग्रंथ साहिब' के संकलनकर्ता थे –

(1) गुरू नानक

(2) गुरू गोविंदसिंह

(3) गुरू अर्जुनदेव

(4) गुरू रामदास

37 रामचंद्र शुक्ल ने किसके काव्य को जीवनोत्सव का काव्य कहा है –

(1) विद्यापति

(2) सूरदास

(3) बिहारी

(4) मतिराम

38 'चर्यापद' निम्न में से किससे संबंधित हैं –

(1) सिद्धों

(2) नाथों

(3) जैनों

(4) संतों

39 ''छायावाद स्थूल के विरुद्ध सूक्ष्म का विद्रोह है।'' यह कथन निम्न में से किसका है –

(1) नामवरसिंह

(2) नगेंद्र

(3) नंददुलारे वाजपेयी

(4) रामचंद्र शुक्ल

40 अष्टछाप के निम्न कवियों में से विठ्ठलनाथ का शिष्य नहीं है –

(1) ंददास

(2) कुंभनदास

(3) ोविंद स्वामी

(4) चतुर्भुजदास

10 10 10 10 10 10 10 10 10 10

41 'प्रतिभा उनमें बड़ी प्रखर थी।' रामचंद्र शुक्ल की यह टिप्पणी निम्न में से किससे संबंधित है।

(1) कबीर (2) बिहारी

(3) जायसी (4) धनानंद

42 निम्न में से रामानंद का मान्य शिष्य नहीं है –

(1) कबीर

(2) रैदास

(3) दादूदयाल

(4) सेन

43 'सूरसागर' किसी चली आती हुई गीतकाव्य परंपरा का, चाहे वह मौखिक ही रही हो, पूर्ण विकास–सा प्रतीत होता है। यह कथन किसका है –

(1) डॉ. नगेंद्र

(2) दीनदयाल गुप्त

(3) बृजेश्वर वर्मा

(4) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

44 ''हिंदी प्रदेश में नवजागरण 1857 ई. के स्वाधीनता संग्राम से शुरू होता है।'' यह कथन किसका है –

(1) हजारीप्रसाद द्विवेदी (2) रामस्वरूप चतुर्वेदी

(3) नत्थरसिंह (4) रामविलास शर्मा

45 निम्न में से कौन–सा कथन गलत है –

(1) 'साकेत' नारी चेतना से संबंधित है।

(2) 'यशोधरा' में नारी सन्मान की प्रतिष्ठा है।

(3) 'भारत–भारती' में अतीत गौरवगान है, वर्तमान नहीं है।

(4) 'जयद्रथ वध' का आधार महाभारत है।

46 'परीक्षा गुरू' के संबंध में अनुपयुक्त है –

(1) यथार्थ जीवन–व्यापारों का कथा आधार नहीं

(2) उपदेशात्मकता की अधिकता

(3) किस्सागोई तथा पात्रानुकूल भाषा

(4) प्रेमचंदीय उपन्यास परंपरा का प्रस्थान बिंदु

47 'घनीभूत वेदना की केवल एक रात में देखे हुए 'विजन' को शब्दबद्ध करने का प्रयत्न है।' यह कथन किस उपन्यास से संबंधित है –

(1) नदी के द्वीप

(2) शेखर : एक जीवनी

(3) अमृत और विष

(4) अंतिम अरण्य

48 'पंख, पहिए और पट्टियां' निम्न में से किससे संबंधित है –

(1) आषाढ़ का एक दिन

(2) अंधा युग

(3) लहरों के राजहंस

(4) रातभर वर्षा

49 'शेखर : एक जीवनी' में प्रयुक्त शैली है –

(1) पूर्वदीप्ति (2) रिपोर्ताज

(3) डायरी (4) आत्मकथा

50 'पूस की रात' में अलाव का ठंडा होते जाना निम्न में से किसका प्रतीक है?

(1) जीवनी शक्ति चुकते जाने का

(2) ठंडे होते मानवीय संबंधो का

(3) अत्यधिक ठंड लगने

(4) सर्दी से ठंडे होते अलाव का

10 10 10 10 10 10 10 10 10 10

51 किसी आती हुई आपदा की भावना या दुःख के कारण के साक्षात्कार से जो एक प्रकार का आवेगपूर्ण अथवा स्तंभकारक मनोविकार उत्पन्न होता है। रामचंद्र शुक्ल के अनुसार यह मनोभाव है

(1) घृणा (2) भय

(3) करूणा (4) ईर्ष्या

52 राजेंद्र यादव के अनुसार हिंदी उपन्यासों का पहला मध्यवर्गीय नायक है –

(1) रंगनाथ (2) सूरदास

(3) भूतनाथ (4) शेखर

53 निम्न में से दलित विमर्श और लेखन से संबंधित नहीं है –

(1) राजेंद्र यादव (2) जयप्रकाश कर्दम

(3) उषा प्रियंवदा (4) रत्नकुमार सांभरिया

54 'हिमाद्रि तुंग श्रृंग से' गीत निम्न में से किसमें है –

(1) चंद्रगुप्त (2) ध्रुवस्वामिनी

(3) अजातशत्रु (4) स्कंदगुप्त

55 'सुंदर है विहग सुमन सुंदर, मानव तुम सबसे सुंदरतम' निम्न में से किसमें है –

(1) पल्लव (2) ग्राम्या

(3) स्वर्णधूलि (4) युगपथ

56 निम्न में से व्यष्टि चेतना के कवि हैं –

(1) नागार्जुन (2) केदारनाथ अग्रवाल

(3) अज्ञेय (4) अरूण कमल

57 निम्न में से स्त्री विमर्श से संबंधित नहीं है –

(1) समय सरगम (2) शेष कादंबरी

(3) एक जमीन अपनी (4) महाभोज

58 व्याकरण के स्फोटवाद से प्रेरित है –

(1) वक्रोक्ति सिद्धांत (2) ध्वनि सिद्धांत

(3) अलंकार सिद्धांत (4) रीति सिद्धांत

59 लोंजाइनस 'उदात्त' में सम्मिलित नहीं है –

(1) प्रबल भावावेग की प्रेरणा (2) अलंकारो की समुचित योजना

(3) अभिजात पद रचना (4) वंचित के प्रति सहानुभुति

60 सहजानुभूति ही अभिव्यंजना है – निम्न में से यह धारणा किसकी है –

(1) मैथ्यू अर्नाल्ड (2) कॉलरिज

(3) बेनेदेतो क्रोचे (4) आई. ए. रिचर्ड्स

61 'नयी समीक्षा' से संबंधित है –

(1) रैंसम (2) जॉन ड्राइडन

(3) जानसन (4) अरस्तु

62 निम्न में से वृद्धावस्था पर आधारित उपन्यास है –

(1) अंतिम अरण्य (2) आपका बंटी

(3) मैला आंचल (4) वे दिन

63 भारतीय नवजागरण की शुरूआत निम्न में से कहां हुई –

(1) बंगाल – महाराष्ट्र (2) पंजाब – हरियाणा

(3) कर्नाटक – तमिलनाडु (4) राजस्थान – मध्यप्रदेश

64 "मेरा आगमन हिंदी के छायावादी कवि प्रसाद, निराला और पंत की कविता के विवेचक के रूप में हुआ था" यह कथन किस आलोचक का है –

(1) नामवर सिंह (2) नंददुलारे वाजपेयी

(3) रामविलास शर्मा (4) रामचंद्र शुक्ल

65 'नयी कहानी' आंदोलन से संवद्ध कहानीकार नहीं हैं।

(1) मन्नू भण्डारी (2) कृष्णा सोबती

(3) उषा प्रियंवदा (4) चंद्रकिरण सोनरिक्सा

66 भारतेंदु कृत 'अंधेर नगरी' है –

(1) छह अंको वाला प्रहसन (2) आठ अंको वाला प्रहसन

(3) छह दृश्यों वाला प्रहसन (4) छह अंको वाला नाटक

10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10

10 10 10 10 10 10 10 10 10 10

67 निम्न कवियों का उनके दार्शनिक सिद्धान्तों के साथ सुमेलन कीजिए –

(क) जयशंकर प्रसाद (अ) बौद्धदर्शन

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (आ) अद्वैत वेदांत

(ग) सुमित्रानंदन पंत (इ) प्रत्यभिज्ञा दर्शन

(घ) महादेवी वर्मा (ई) अरविंद दर्शन

(1) क – अ, ख – ई, ग – आ, घ – इ

(2) क – ई, ख – इ, ग – अ, घ – आ

(3) क – आ, ख – अ, ग – इ, घ – ई

(4) क – इ, ख – आ, ग – ई, घ – अ

68 ''कविता कवि–व्यक्तित्त्व की अभिव्यक्ति नहीं, व्यक्तित्त्व से पलायन है'' – 'परंपरा और व्यक्ति–प्रज्ञा' शीर्षक निबंध का यह कथन किसका है?

(1) अरस्तू (2) कॉलरिज

(3) आई. ए. रिचर्ड्स (4) टी. एस. इलियर

69 निम्न औपन्यासिक चरित्रों का उनके उपन्यासों के साथ सुमेलन कीजिए –

(क) सारंग (अ) शेखर : एक जीवनी

(ख) मालती (आ) मैला आंचल

(ग) शशि (इ) चाक

(घ) लछमी (ई) गोदान

(1) क – आ, ख – अ, ग – इ, घ – ई

(2) क – ई, ख – आ, ग – इ, घ – अ

(3) क – अ, ख – इ, ग – ई, घ – आ

(4) क – इ, ख – ई, ग – अ, घ – आ

70 ''काव्यानुभूति और जीवनानुभूति में प्रकृति का भेद नहीं होता। तत्वतः वे समान हैं।'' यह स्थापना किसकी है?

(1) आई. ए. रिचर्ड्स (2) लोंजाइनस

(3) प्लेटो (4) मिल्टन

71 निम्न समकालीन साहित्यिक पत्रिकाओं के साथ उनके संपादकों के नामों का सुमेलन कीजिए :

(क) हंस	(अ) रवींद्र कालिया
(ख) तद्भव	(आ) अरूण कमल
(ग) नया ज्ञानोदय	(इ) राजेंद्र यादव
(घ) आलोचना	(ई) अखिलेश

(1) क – आ, ख – अ, ग – ई, घ – इ

(2) क – अ, ख – आ, ग – इ, घ – ई

(3) क – ई, ख – इ, ग – आ, घ – अ

(4) क – इ, ख – ई, ग – अ, घ – आ

72 इनमें से किस उपन्यास – युग्म की कथा स्त्री केंद्रित नहीं है?

(1) रेत, छिन्नमस्ता

(2) चाक, एक ज़मीन अपनी

(3) काली आंधी, अल्मा कबूतरी

(4) समय सरगम, रात का रिर्पोटर

73 आधुनिक हिंदी कविता में मुक्त छंद के प्रवर्तक माने जाते हैं –

(1) भवानी प्रसाद मिश्र (2) अज्ञेय

(3) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (4) धूमिल

74 ''रूपोद्यान प्रफुल्ल–प्राय–कलिका राकेन्दु–बिम्बानना।
तन्वंगी कल–हासिनी सुरसिका क्रीड़ा–कला पुत्तली।''

यह तत्सम–बहुल काव्य–भाषा किस कवि की है?

(1) मैथिलीशरण गुप्त (2) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(3) सुमित्रानंदन पंत (4) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

75 'कठोपनिषद्' के यम–नचिकेता प्रसंग पर आधारित रचना है –

(1) संशय की एक रात (2) आत्मजयी

(3) असाध्यवीणा (4) नहुष

10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10

10 10 10 10 10 10 10 10 10 10

SPACE FOR ROUGH WORK / कच्चे काम के लिये जगह

10

10

10

10

10

10

10

10